AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

यूजी प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं

लविवि : 29 अगस्त से शुरू हो रही हैं प्रवेश परीक्षाएं, एमसीक्यू आधारित 100 सवाल पूछे जाएंगे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक प्रवेश परीक्षा का आयोजन 29 अगस्त से दो पालियों में होगा जिसमें करीब 60 हजार छात्र शामिल होंगे। विवि प्रशासन ने बताया, प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी।

विवि प्रशासन के अनुसार, प्रवेश परीक्षा दो पालियों में सुबह 11.30 बजे से दोपहर एक बजे तक और शाम चार बजे से 5:30 तक होगी। प्रवेश परीक्षा में 100 प्रश्न बहुविकल्पीय पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो नंबर का होगा। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि 29 अगस्त को प्रथम पाली में बीएलएड की प्रवेश परीक्षा लविवि के ओल्ड कैंपस के दो केंद्रों पर होगी। वहीं 29 अगस्त को ही द्वितीय पाली में डीफार्मा की परीक्षा ओल्ड कैंपस के एक केंद्र पर होगी। इसमें 50 प्रश्न इंटरमीडिएट स्तर के भौतिक व रसायन विज्ञान के पूछे जाएंगे। शेष 50 प्रश्न गणित व 50 प्रश्न जीव विज्ञान के होंगे। अभ्यर्थियों को गणित अथवा जीव विज्ञान में से किसी एक के 50 प्रश्न करने होंगे।

लुआक्सैट का परिणाम जारी, काउंसिलिंग छह को

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नेशनल पीजी कॉलेज की ओर से शनिवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी एसोसिएटेड कॉलेज साइंस एडमिशन टेस्ट (लुआक्सैट) व लुआक्मैट के बचे हुए कोर्सों की प्रवेश परीक्षा का परिणाम शनिवार को जारी कर दिया गया। लुआक्सैट की काउंसिलिंग छह सितंबर से होगी।

कॉलेज प्रशासन के अनुसार, लुआक्सैट में बीकॉम, बीएससी बायो व बीएससी मैथ्स की प्रवेश परीक्षा और लुआक्मैट में बीसीए, बीवॉक बैंकिंग एंड फाइनेंस, बीवॉक सॉफ्टवेयर एंड डवलपमेंट व बीजेएमसी का परिणाम जारी कर दिया गया है। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया, बीसीए की प्रवेश परीक्षा में शामिल 1006 में से 700 विद्यार्थियों का परिणाम जारी किया गया है। बीवॉक में शामिल 307 में से 200 छात्रों व बीजेएमसी में 160 में से 135 विद्यार्थियों का परिणाम वरीयता के आधार पर जारी किया गया है। बीकॉम में शामिल 2523 में से 1456 विद्यार्थी पास हुए हैं। इसमें से 1200 को काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया है। बताया कि बीकॉम की काउंसिलिंग छह से आठ सितंबर तक, बीएससी मैथ्स की 09-10 सितंबर, बीएससी बायो की 12 सितंबर, बीसीए की 17 व 19 सितंबर, बीवॉक की 20 सितंबर व बीजेएमसी की 14 सितंबर को होगी। विद्यार्थी आवश्यक दस्तावेज की मूल व छायाप्रति व शुल्क के साथ काउंसिलिंग में उपस्थित हों।

नगर निगम डिग्री कॉलेज में बीकॉम की दूसरी मेरिट जारी

अटल बिहारी बाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज में बीकॉम पहले वर्ष में प्रवेश के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। प्राचार्य डॉ. सुभाष चंद्र पांडेय ने बताया कि इसकी कटऑफ सामान्य के लिए 64 फीसदी, ओबीसी के लिए 59 फीसदी, एससी व ईडब्ल्यूएस के सभी अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि दूसरी मेरिट के प्रवेश 29 अगस्त से 01 सितंबर तक अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ सुबह 10:30 बजे कॉलेज में शामिल हों।

जागरूकता ही साइबर क्राइम से बचाव

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र के तत्वावधान में शनिवार को साइबर जागरूकता पर सेमिनार का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के अंतर्गत स्थापित प्रागमैटिक एजुकेशनल सोसायटी की ओर से आयोजित सेमिनार की थीम साइबर फोरेंसिक थीं। साइबर विशेषज्ञ वैभव श्रीवास्तव ने डिजिटल फोरेंसिक जागरुकता, हैकर के विभिन्न प्रकार, डाटा चोरी व डिजिटल साक्ष्य को परिभाषित किया। उन्होंने कहा, साइबर क्राइम से बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। वरिष्ठ प्रबंधक शिल्पी शर्मा ने इससे जुड़े कानूनों की जानकारी दी। सेमिनार में विधि संकाय के डीन डॉ. बीडी सिंह, डॉ. मोहम्मद अहमद, डॉ. राजीव राठी, डॉ. आरके सिंह, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव आदि शिक्षक उपस्थित रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका अहम

लखनऊ। लविवि के व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग की ओर से मिशन शक्ति फेज-चार के अंतर्गत महिलाओं में उद्यमिता विकास पर शनिवार को व्याख्यान व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. मधुरिमा लाल ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रो. आरके माहेश्वरी, प्रो. रजना मुज्जू, प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. विमल जैसवाल, प्रो. अनूप सिंह, डॉ. रंजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि में स्नातक की प्रवेश परीक्षा कल

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक प्रवेश परीक्षा 29 अगस्त 2022 से प्रारम्भ हो रही है। प्रवेश परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली की परीक्षा 11.30 वजे से एक वजे तक होगी तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न चार वजे से पांच वजे तक होगी।प्रवेश परीक्षा में 100 प्रश्न एमसीक्यू प्रकार के पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। नेगेटिव मार्किंग नहीं होगी।

सोमवार को प्रथम पाली में वीईआईएड की प्रवेश परीक्षा है, यह प्रवेध परीक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय के ओल्ड कैम्पस के दो केन्द्रों पर होगी। इस परीक्षा में सामान्य अध्ययन, समांन्य विज्ञान, तार्किक योग्यता, सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी, सामान्य हिंदी व अंकगणित के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसी प्रकार सोमवार को द्वितीय पाली में डीफर्मा की परीक्षा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के ओल्ड कैम्पस के एक केन्द्र पर होगी। इस प्रवेश परीक्षा में 50 प्रश्न इंटरमीडिएट स्तर के भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान के होंगे जो सभी अभ्यर्थियों को करने होंगे। शेष 50 प्रश्न गणित एवं 50 प्रश्न जीवविज्ञान के होंगे। अभयर्थियों को गणित अथवा जीवविज्ञान में से किसी एक के 50 प्रश्न करने होंगे।

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू की स्नातक प्रवेश परीक्षा कल दो पालियो में

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक प्रवेश परीक्षा 29 अगस्त को दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 11:30 से दोपहर एक बजे तक तथा दूसरी पाली शाम 4 बजे से 5:30 बजे तक होगी। पहली पाली की परीक्षा मुख्य कैंपस में जेके ब्लॉक और साइंस ब्लॉक में होगी। दूसरी पाली सिर्फ जेके ब्लाक में होगी। प्रवेश परीक्षा में 100 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक सही जवाब पर दो नंबर दिए जाएंगे। निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। 29 अगस्त को पहली पाली में बीएड प्रवेश परीक्षा ओल्ड कैंपस के दो केंद्रों में होगी। समान्य अध्ययन, सामान्य विज्ञान, तार्किक योग्यता, सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी, सामान्य हिन्दी, अंक गणित के 100 प्रश्न होंगे। दूसरी पाली में डीफार्मा प्रवेश परीक्षा ओल्ड कैंपस के एक केंद्र पर होगी।

HT PAGE 3

LU UG ENTRANCE EXAM BEGINS ON MONDAY

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW: Lucknow University's undergraduate entrance exam will begin on Monday. The entrance exam will be held in two shifts-- from 11.30 am to 1 pm and from 4 pm to 5:30 pm. A total of 100 multiple choice questions (MCQ) type will be asked in the entrance exam. Each question will be of two marks. There will be no negative marking, said university spokesperson, Durgesh Srivastava.

The exam for (Bachelor of Elementary Education) B.El.Ed. will be held in the first shift on August 29. This entrance exam will be held at two centres on the Old Campus of Lucknow University. In this exam, 100 questions will be asked from General Studies, general science, reasoning ability, general knowledge, English, General Hindi and Arithmetic. The entrance test for D Pharm will be held in the second shift on August 29. The examination will be held at a centre on the Old Campus of Lucknow University. In this entrance exam, 50 questions will be from Inter level Physics and Chemistry, which all candidates will have to do. The remaining 50 questions will be from Maths and 50 from Biology.

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय : स्नातक प्रवेश परीक्षाएं कल से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2022-23 के स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी। करीब 15 पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा में एमसीक्यू प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे। पहले दिन पहली पाली में बीएलएड और दूसरी पाली में डीफार्मा की प्रवेश परीक्षा होगी। विश्वविद्यालय ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि प्रत्येक प्रवेश परीक्षा में एमसीक्यू आधारित 100 प्रश्न होंगे। हर प्रश्न दो अंकों का होगा। इस बार भी निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। प्रवेश परीक्षा के लिए 90 मिनट का समय दिया जाएगा। प्रवेश परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 11.30 से दोपहर एक बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा शाम चार से 5:30 बजे तक होगी।

29 को पुराने परिसर में होगी प्रवेश परीक्षा : प्रवेश समन्वयक ने बताया कि 29 अगस्त को प्रथम पाली में बीएलएड की प्रवेश परीक्षा होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के पुराने परिसर के दो केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इसमें सामान्य अध्ययन, सामान्य विज्ञान, तार्किक योग्यता , सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी, सामान्य हिंदी, अंकगणित के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे।

दोपहर की पाली में डीफार्मा : सोमवार को दूसरी पाली में डीफार्मा की प्रवेश परीक्षा होगी। इसके लिए परिसर में एक केंद्र बनाया गया है। इसमें 50 प्रश्न इंटरमीडिएट स्तर के भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान के होंगे, जो सभी अभ्यर्थियों को करने होंगे। शेष 50 प्रश्न गणित एवं 50 प्रश्न जीवविज्ञान के होंगे। अभ्यर्थियों को गणित अथवा जीवविज्ञान में से किसी एक के 50 प्रश्न करने होंगे।

यूजी अंतिम वर्ष के नतीजे आने तक होंगे पीजी के आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में भले ही परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के आवेदन की अंतिम तिथि 30 अगस्त तक तय की है, लेकिन ज्यादातर डिग्री कालेजों में इसके लिए आवेदन प्रक्रिया रहेगी। कालेजों का कहना है कि सितंबर के पहले सप्ताह तक लवि की स्नातक अंतिम वर्ष (छठे सेमेस्टर) की परीक्षाएं चल रही हैं। उसके बाद परिणाम आने में कम से कम 15 दिन लगेंगे। इसलिए परिणाम आने तक आवेदन जारी रहेंगे।

महाराजा बिजली पासी राजकीय पीजी कालेज : यहां स्नातक के साथ-साथ परास्नातक में आवेदन प्रक्रिया जारी है। कालेज की प्राचार्या प्रो. सुमन गुप्ता ने बताया कि पीजी हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, जाग्रफी, इकोनामिक्स में 60-60 और एमएससी बाटनी 30 सीटों पर मेरिट से आवेदन होंगे। यूजी अंतिम वर्ष के परिणाम आने तक आवेदन प्रक्रिया जारी रहेगी।

डीएवी डिग्री कालेज : एमए एआइएच में 60 और एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में आवेदन प्रक्रिया जारी है। प्राचार्य प्रो. सुधांशू सिन्हा ने बताया कि अभी आवेदन की अंतिम तिथि तय नहीं है। पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है।

कालीचरण पीजी कालेज

कालेज के प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने बताया कि परास्नातक में आवेदन की कोई भी अंतिम तिथि तय नहीं है। यहां एमकाम, एमकाम प्योर, हिन्दी, समाज शास्त्र व शिक्षा शास्त्र में 60-60 सीटों पर दाखिले मेरिट से होंगे। आगामी छह सितंबर तक यूजी छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं हैं, ऐसे में परिणाम आने तक अभ्यर्थियों को आवेदन का मौका दिया गया है।

नगर निगम कालेज : बीकाम की दूसरी मेरिट जारी : अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज में शनिवार को बीकाम प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए दूसरी मेरिट सूची जारी कर दी गई। प्राचार्य डा. सुभाष चंद्र पांडेय ने बताया कि अनारक्षित वर्ग में 64 फीसद, अन्य पिछड़ा वर्ग में 59 फीसद के साथ अनूसचित जाति और ईडब्ल्सूएस वर्ग के सभी अभ्यर्थियों को मौका दिया गया है। मेरिटट सूची वेबसाइट www.abvnndc.in पर अपलोड कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जिन अभ्यर्थियों के नाम मेरिट में हैं, उन्हें 29 अगस्त से एक सितंबर तक अपने सभी मूल शैक्षिक प्रमाण पत्र, टीसी, चरित्र प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र व फीस लेकर उपस्थित होना है। काउंसलिंग का समय सुबह 10.30 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा।

गुरुजी को बतानी होगी विद्यार्थी की उपस्थिति और कक्षाओं की संख्या

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षकों को अब ऐसे सभी छात्र-छात्राओं की सत्र 2021-22 की कक्षा उपस्थिति का ब्योरा देना होगा, जिन्होंने छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया है। यह भी बताना होगा कि कितनी कक्षाएं संचालित की गईं। यह सभी विवरण छात्रवृत्ति पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इस संबंध में कुलसचिव संजय मेधावी ने सभी विभागों को निर्देश जारी किए हैं।

शिक्षक भी बताएं, कितनी कक्षाएं ली: बीते दिनों विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संकायध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक से 2021-22 में संचालित पाठ्यक्रमों में हुई कक्षाओं का विवरण छात्रवृत्ति पोर्टल पर अपलोड करने के लिए कहा था। यह भी निर्देश दिए थे कि यदि विवरण अपलोड नहीं हुआ तो अध्ययनरत छात्र-छात्राएं शुल्क प्रतिपूर्ति से वंचित रह जाएंगे। अभी तक कई विभागों ने सूचनाएं अपलोड नहीं की। अब कुलसचिव संजय मेधावी ने फिर से पत्र का रिमाइंडर भेज कर कहा है कि जिन विभागों ने सूचनाएं नहीं दी हैं, वह प्राथमिकता पर उपलब्ध करा दें। यह सूचना छात्रवृत्ति पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

DAINIK JAGRAN JHANKAAR

कर्मयोग से कर देंगे हम कालचक्र परिवर्तन

कोलाज वीरेंद्र रस्तोगी

लाल किला की प्राचीर से गूजा अमृतकाल का प्रथम प्राण प्रेरित करता है कि हम एक ऐसे राष्ट्र व व्यवस्था का निर्माण करें जो भारत को विश्व गुरु बनाए। इस बहुत बड़े सकल्प को सिद्ध करने के लिए नवोन्मेष और सृजन के रूप में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। प्रो. आलोक राय का आलेख..

स्वाधीन भारत के अमृतकाल में स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन एवं राष्ट्र के सभी नागरिकों से पांच प्रण का आह्वान भारतीय जनतंत्र के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री ने पुनः यह विश्वास दिलाया है कि सबका प्रयास ही सबके विकास का मंत्र है। यह दायित्वबोध और आत्मबल की प्रेरणा ही भारत को एक जीवंत, उन्नत, प्रगतिशील तथा नेतृत्वदायिनी भूमिका में स्थापित करेंगे। हमें अपनी गौरवशाली विरासत, एकता, नागरिकता के मूल्यों से पूर्ण एवं गुलाम मानसिकता से पूर्णतया विमुक्त संकल्प लेकर बढ़ना है। विश्वदृष्टा, आदर्शोन्मुखी एवं समेकित योजना में विश्वास करने वाले नायक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया है कि भूमंडलीय चेतना के साथ राष्ट्रीय विकास का प्रयास करना आवश्यक है। विराट की यह संकल्पना हमारी संस्कृति में सदा से रही है-

'ईशा वास्यमिदं सर्वं यत्किंच जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुंजीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।।'

प्रधानमंत्री मोदी अपने आह्वान में बड़े संकल्प लेकर चलने की बात करते हैं। एक ऐसा बड़ा संकल्प, जो त्यागात्मक और निषेधात्मक न होकर क्रियात्मक है। ये संकल्प न केवल विकसित राष्ट्र का स्वप्न है, बल्कि ज्ञान और पूर्णता का एक ऐसा विधान हमारे सामने प्रस्तुत करता है, जो सामान्य सामाजिक दृष्टिकोण का स्वधर्म है। वेदांत के पंच कोष, जैन पंच महाव्रत, न्याय दर्शन की पंचाव्यवी युक्तियां और महर्षि अरविंद के पांच स्वप्न आज पुनर्स्मरणीय हैं। उसी प्रकार राष्ट्र के विकास के संदर्भ में अमृतकाल के पांच प्रण व्यापक महत्व के हैं।

लक्ष्य न हो आंखों से ओझल

हमारे पौराणिक ग्रंथों में कहा भी गया है कि जो आध्यात्मिक दृष्टि में स्वधर्म है वही व्यावहारिक और सामाजिक दृष्टि से स्वकर्म हो जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग और कर्मयोग की विस्तार से चर्चा है। आत्मसिद्धि के लिए कर्ममार्ग को ही प्रमुखता दी गई है। जब बड़े संकल्पों को लेकर चलने की बात हो रही हो तो गीता के इस दार्शनिक विवेचन के अनुसार कोई भी व्यक्ति पलभर के लिए भी निष्क्रिय नहीं रह सकता है। भारत को अगर विकसित राष्ट्र बनाना है तो पूरे देश को कर्ममार्ग पर चलते हुए इस लक्ष्य की प्राप्ति को अपने मानस पटल से ओझल नहीं होने देना होगा। जब पूरा राष्ट्र एकजुट होकर विकासशील से विकसित होने के संकल्प पथ पर आगे बढ़ेगा तो इस मानसिक संतुलन की बेहद आवश्यकता होगी।।

सशक्त हो रहा देश

हम सबने व्यक्तिगत व सेवा जीवन में समवेत एवं ऊर्जावान प्रयासों की सफलता के उदाहरण कई बार देखे हैं। सभ्यता के उदय से ही इतिहास के पृष्ठों को पलटते हुए हम भारत को एक सुसंस्कृत एवं समृद्ध राष्ट्र के रूप में देखते हैं तो आश्चर्य होता है कि ज्ञान विज्ञान, राजनैतिक व्यवस्थाओं, कला एवं तकनीक में यहां कितनी विविध दृष्टियां विकसित हुईं। जल मार्ग, थल मार्ग से यात्राओं द्वारा भारत ने अपना संदेश दूर तक भेजा एवं व्यापार में भी शक्तिशाली बना। आधुनिक नवाचार बिजली, रेलवे, व्यापक स्तर पर किए जाने वाले रासायनिक उत्पादन की औद्योगिक क्रांति ने भारत को भी प्रभावित किया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में हर क्षेत्र से अद्भुत नेतृत्व प्राप्त हुआ। श्रेष्ठ वकील, चित्रकार, कवि, साहित्यकार राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत होकर इस संग्राम में जुड़े।

यह विषय विशेष महत्व का है कि 20वीं सदी के आरंभ में भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के विज्ञानियों जैसे जगदीश चंद्र बोस, चंद्रशेखर वेंकट रमन, मेघनाद साहा, श्रीनिवास रामानुजम, सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर इत्यादि का उदय देखा। राष्ट्र निर्माण में विज्ञान की भूमिका विशेष है और आज हम आधुनिक तकनीक के व्यापक प्रयोग को नव निर्माण के केंद्रीय घटक के रूप में देख सकते हैं। तकनीकी शक्ति रचनात्मक उत्पादन को संवर्धित करती है तथा प्रतियोगी बाजार में मानवीय क्षमता को लगातार बेहतर बनाती है। स्वतंत्रता के अनेक वर्षों बाद आज भारत अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर है और अकाल जैसे दुःस्वप्नों को विस्मृत कर पा रहा है। कोविड विभीषिका में भी जनसंचार, उत्पादन जैसे क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक के प्रयोग ने हमें सुरक्षित रखा। सुरक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में शोध तकनीकी प्रगति से लाभान्वित हो रहा है। यही शोध सूचना, प्रौद्योगिकी एवं आधारभूत सेवाओं में भी आवश्यक है। इन सबका समुच्चय तभी साकार हो सकेगा, जब हम समवेत रूप से सभी क्षेत्रों के संकल्पों को एक साथ लेकर बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे।

विज्ञानियों ने किया सबल

पूर्व राष्ट्रपति स्व. डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का विश्वास था कि भारत मिसाइल तकनीक, जैव विविधता, कृषि-उत्पाद, माइक्रो इलेक्ट्रानिक्स जैसे सभी क्षेत्रों में विश्व की अगुवाई कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तकनीकी नवाचार से सर्वसुलभ सेवा संवर्धन की चर्चा करते रहे हैं और व्यक्तिगत प्रयास से विज्ञानियों का मनोबल बढ़ाते रहे हैं। भारत में अधिक श्रेष्ठ एवं सुलभ विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा हो, इसके लिए अनेक संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं। विश्व बाजार में निर्यात की अनेक संभावनाएं हैं जो पारंपरिक ज्ञान से लेकर आधुनिक तकनीक तक विस्तृत हैं। स्थानीय चिकित्सा पद्धतियों पर विज्ञानी शोध, सफल स्वास्थ्य सेवाएं, बेहतर मातृ-शिशु कल्याण, संभावित शिक्षा नीति यह सभी एक बड़े स्वप्न एवं राष्ट्र निर्माण के घटक हैं जिनके लिए वैधानिक व्यवस्थाएं, आयोग, पीठ आदि के प्रयास प्रचलित हैं। व्यवस्थाएं पारदर्शी एवं तकनीक से सुरभित हों तो अधिक प्रभावकारी होंगी। शोध, रचनात्मक नवाचार, प्रयोग का सामर्थ्य और जोखिम उठाने वाला नेतृत्व महत्वपूर्ण है। भारत का नैतिक और साहसी नेतृत्व वचनबद्ध है कि भारत को एक विराट शक्तिशाली राष्ट्र बनाएगा। परिष्कार व परिवर्तन के मंत्र के साथ हम सभी को प्रधानमंत्री के साथ प्रणबद्ध होना चाहिए।

कौशल को मिल रहे पंख

आज का भारत विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी छवि बना रहा है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति अंतर्विभागीय शोध, भविष्योन्मुखता, समाज व समय के साथ उसके समन्वय एवं जनोन्मुखी होने पर बल दे रही है। कौशल विकास गहन अध्ययन एवं शोध दोनों ही ज्ञान में महत्वपूर्ण हैं। एक सशक्त राष्ट्र की संकल्पना एक सशक्त शैक्षणिक संरचना पर ही आधारित हो सकती है। असेवितों तक पहुंच और गुणवत्ता के जुड़वा उद्देश्यों को लेकर ही यह विकास संभव है। भारतीय जनतंत्र में हम सबका सामूहिक प्रयास व प्रतिबद्धता ही इस स्वप्न को पूर्ण करने में समर्थ होगी। अब पूरे देश को पांच प्रणों के प्रति वचनबद्ध होना पड़ेगा। इससे हमारी सोच वृहद, उदार एवं समावेशी होगी और हमारे स्थानीय कर्म दायित्वबोध एवं श्रेष्ठता से भरे होंगे। वैसे ही जैसे भगवान बुद्ध की वैश्विक करुणा, महावीर की सभी में जीव की स्वीकृति भारतीय संस्कार हैं एवं उसकी आध्यात्मिक चेतना सर्वविदित है। महात्मा गांधी ने आदर्शवाद के समर्थन में कहा था कि जिस प्रकार गणित व ज्यामिति का विकास बिंदु व सरल रेखा की आदर्श संकल्पना के बिना संभव नहीं, वैसे ही नवनिर्माण आदर्श स्वप्न के बिना संभव नहीं। विराट की कल्पना के साथ निर्माण की प्रतिबद्धता का संकल्प ही सृजन एवं सफलता का मूल है।

(लेखक लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति हैं)

नवनिर्माण को निमंत्रण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भविष्योन्मुखी, उदार चिंतन के साथ आधुनिक तकनीक एवं नवाचार के सामंजस्य से सभी को सार्वजनिक सुलभ जीवन के प्रति प्रतिबद्ध किया है। हम सबको संकल्पित, प्रणबद्ध करते हुए हमारे सक्रिय योगदान का आह्वान कर रहे हैं। यह नवनिर्माण के यज्ञ में हमारी आहुतियों का निमंत्रण है। महात्मा गांधी ने सेवा, तप, ज्ञान एवं यज्ञ के मूल्य को रेखांकित किया। विश्व के वहनीय विकास, पर्यावरण संरक्षण, अंतरराष्ट्रीय शांति सभी के लिए जिस विराट चिंतन की आवश्यकता है, वह भारत की संस्कृति में विद्यमान है। प्रधानमंत्री का प्रथम प्रण इस विचार की ओर इंगित करता है कि हम सब कटिबद्ध होकर यदि विश्वास के साथ प्रयास करें तो हमारे मंगलकारी स्वप्न सत्य हो सकेंगे।